जो धर्म-संस्कृति से कटा, उसका कल्याण असंभव

इंदौर। प्रत्येक मनुष्य में परमात्मा का वास होता है,भारतीय संस्कृति में प्रत्येक दिन माता पिता को चरण स्पर्श किया जाता है। प्रतिदिन तुलसी पूजन करना चाहिए, जो जीवन में धर्म संस्कृति से कट जाता है उसका कभी कल्याण नहीं होता। उक्त विचार ब्रजरत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के चौथे दिन व्यक्त किए। आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि कथा में आज श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रभु श्री कृष्ण के जयघोष के साथ हाथी घोड़ा पालकी... जय कन्हैया लाल की... नंद के घर आनंद भयो...जय कन्हैया लाल की.. की गूंज से पूरा परिसर गूंज उठा। सैकड़ों महिलाओं ने भजनों पर नृत्य किया। प्रभु को तिलक कर माखन मिश्री का भोग लगाया। भगवान की लीलाओं का कलाकारों ने मनमोहक मंचन भी किया। कथा 17 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 7 से रात्रि 11 बजे तक चल रही है।